

D. E. Red 2nd year

12/05/2020

प्रयोजनवाद (Pragmatism)

Tuesday

इतिहास की आधुनिक विचारधारा प्रयोजनवाद है।
इसे जगदत्ता प्रयोजनवादी 'इतिहास' 'वैशेषिक जीव्य' है।
जान लोक / शिलर की इसी श्रेणी में आते हैं।

प्रयोजनवाद का अर्थ

प्रयोजनवाद की उत्पत्ति 'प्रागैरिज्म' 'व्यावहारिक भाषा का अर्थप्रयोग' से हुई है।
विस्तृत अर्थ है 'क्रिया' करना।

सत्य वही — जो व्यावहारिक और जीवनोपयोगी।

"आव्याहिक तथा व्यावहारिक मान्यताओं में सामंजस्य उत्पन्न करना प्रयोजनवाद" — 'रस्क'

प्रयोजनवादी शिक्षा के उद्देश्य

1 → मूल्यों का निर्माण।

2 → बालक का विकास।

3 → सामाजिक व्यवस्था की योग्यता।

4 → गतिशील निर्देशन।

प्रयोजनवाद और पाठ्यक्रम

1 → बाल-केंद्रितता।

2 → उपयोगिता।

3 → क्रियाशीलता।

4 → सानुबन्धिता।

प्रयोजनवाद और अनुशासन

→ सामाजिक अनुशासन पर बल।

→ प्रयोजनवादी सीमित मुक्त्यात्मक अनुशासन पर बल।

→ आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान प्रदान करना।

→ उच्च मानवीय मूल्यों, स्वस्थ परम्पराओं पर बल।

प्रयोजनवाद और विद्यालय

1 → विद्यालय एक लघु सामाजिक संस्था।

2 → समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप ज्ञान।

3 → रचनात्मक प्रवृत्तियों का विकास।

4 → विद्यालय ज्ञानार्जन के साथ सांस्कृतिक मूल्यों एवं उनके संरक्षण का स्थान।

प्रयोजनवाद और शिक्षक

1 → सामाजिक आदर्शों का निर्माण।

2 → उचित समस्याओं वाली परिस्थिति में रहना।

3 → अज्ञान को दूर करना।

4 → मानव जीवन की उन्नति के रास्ते पर अग्रसर करना।

B. K. V. M. Yashwanth Reddy
Learning up ASA learner

प्रयोजनवाद के सिद्धान्त (Principles of Pragmatism)

- 1 → सत्य मानव निर्मित।
 - 2 → मानवीय अर्थ पर बल।
 - 3 → सत्य की परिवर्तनशीलता।
 - 4 → उपयोगिता का सिद्धान्त।
- (5) अध्यात्मिक सुखों की दुनिया।
 - (6) बहुत्ववाद का समर्थन।
 - (7) सांसारिक, प्रजासत्त्विक दृष्टिकोण पर बल।

प्रयोजनवाद के गुण

- 1 → क्रियाशीलता पर आधारित।
 - 2 → स्थायी जनार्जन।
 - 3 → वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास।
 - 4 → स्वानुभव व आत्म-सन्तोष की शोचना।
- (5) व्यक्ति को यत्न, व्यावहारिक व विचारशील बनाना।
 - (6) आत्मसमर्पण की शोचना का विकास।

प्रयोजनवाद के दोष

- 1 → तत्ववाद का विरोधी, बहुत्ववाद में विश्वास।
- 2 → सार्वलौकिकता एवं सर्वमान्यता का अभाव।
- 3 → अमूर्त ब्रह्मवाद का विरोधी। जीवन एक सत्य।

प्रयोजनवाद के प्रकार

- 1 → मानवीय प्रयोजनवाद।
- 2 → नामरूपी प्रयोजनवाद।
- 3 → प्रयोगात्मक प्रयोजनवाद।
- 4 → प्राणिशास्त्रीय प्रयोजनवाद।
- 5 →

————— End —————